dk'kh fgUnw fo'ofo|ky;

lwpuk ,oa tulEidZ dk;kZy;

izsl] ifCyds'ku ,.M ifCyflVh lsy

izsl&foKfIr&II दिनांक: 27.01.2009

dk'kh fgUnw fo'ofo|ky; ds fodkl esa foKku ,oa uSfrd ewY;ksa dh vge Hkwfedk % izks- Mh ih flag

भारत को वैष्विक अर्थतंत्र में अपना स्थान बनाने के लिए उच्च प्रषिक्षण प्राप्त पेषेवरों की आवष्यकता है। अतः गुणवत्ता युक्त उच्च षिक्षा और भी महत्वपूर्ण हो गई है। अन्य एषियाई देष भी विष्व स्तरीय विष्वविद्यालयों के लिए उच्च षिक्षा में सुधार कर रहे हैं। काषी हिन्दू विष्वविद्यालय उच्च षिक्षा के क्षेत्र में विज्ञान एवं तकनीकी उत्कृष्टता के साथ अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विष्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्तीय आवंटन हेतु काषी हिन्दू विष्वविद्यालय को वरीयता दी गयी है। भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार ने सूचित किया है कि हमारे विष्वविद्यालय ने विज्ञान के क्षेत्र में अपने प्रदर्षन के आधार पर वरीयता क्रम में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। काषी हिन्दू विष्वविद्यालय एक ऐसी षिक्षा तथा अनुसंधान प्रणाली का स्तर प्राप्त कर चुका है जो अन्य विष्वविद्यालयों की तुलना में बेहतर संसाधनों से युक्त है। वर्तमान परिदृष्य में काषी हिन्दू विष्वविद्यालय का प्रषासन एक ऐसे प्रभावी प्रबन्धन प्रणाली के विकास के लिए प्रयासरत है जिसमें शैक्षिक योग्यता के निर्माण की नीति हो। साथ ही विष्वविद्यालय विष्वसनीय तथा स्वायत्त वित्तीय सहायता की निरंतरता बनाए रखने में सक्षम हो एवं शैक्षिक पदों पर नियुक्ति तथा प्रोन्नति में योग्यता पर आधारित कड़ी चयन तथा भर्ती प्रक्रिया अपना सके एवं विद्यार्थियों को गुणवत्ता युक्त षिक्षा दे सके। नीचे दिए गए तथ्यों का मूल्यांकन करने पर स्पष्ट है कि विज्ञान, धर्म, षांति, महिला षिक्षा, सर सुन्दरलाल चिकित्सालय एवं विज्ञान संकाय को 11वीं पंचवर्षीय योजना में उच्चतम अनुदान दिया गया है। खास बात यह है कि कृषि विज्ञान संस्थान, महिला महाविद्यालय तथा सर सुन्दरलाल चिकित्सालय को पहली बार विष्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुदान मिला है। संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय को 1.7 करोड़ रूपए का अनुदान मिला है। एक नवीन पहल के रूप में बी0एच0यू0 में चौथे संस्थान के रूप में पर्यावरण तथा सत्त्त विकास संस्थान स्थापित किया जा रहा है एवं राजीव गांधी दक्षिणी परिसर हेतु विषेष राषि आवंटित की गयी है। कुलपति जी ने उच्च षिक्षा में मानवीय एवं नैतिक मूल्यों पर विषेष जोर दिया है और इसे विभिन्न पाठ्यक्रमों से जोड़ने की मंषा जताई है। इसके अलावा यूनेस्को चेयर आन पीस एजूकेषन विष्वविद्यालय में स्थापित करने की पहल भी की जा रही है। काषी हिन्दू विष्वविद्यालय में किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यों से सम्बन्धित कुछ महत्वपूर्ण बिन्दु अधोलिखित हैंः

¼d½ oSf'od mPp f'k{kk dk {ks= esa ,d oSKkfud laLFkku dk :i esa viuh ifr"Bk dk lao/kZu djrk dk'kh fgUnw fo'ofo|ky;

- काषी हिन्दू विष्वविद्यालय की विषिष्टता इसके विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी (मैटीरियल साइंस एवं प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, पर्यावरण तथा पारिस्थितिकी) के जाने माने अनुसंधान समूहों, विदेषी छात्रों की संख्या में अभिवृद्धि (झ 900, 2008 में), अति कुषल षिक्षक (दसवीं योजना में झ 500 एवार्ड, फेलोषिप तथा अन्य पुरस्कार एवं विषिष्टता पदक), डी0एस0टी0 के एफ0आई0एस0टी0 कार्यक्रम के अन्तर्गत 22 विभागों/स्कूलों को सहायता, यू0जी0सी0 के सी0ए0एस0/एस0ए0पी0/डी0आर0एस0 कार्यक्रमों के अन्तर्गत 14 विभागों/स्कूलों को सहायता के कारण है।

- विष्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा काषी हिन्दू विष्वविद्यालय को 11वीं पंचवर्षीय योजना के वित्तीय आवंटन की दृष्टि से वरीयता प्रदान की गई है (रू. 845.02 करोड़)। इसमें रू. 283.77 करोड़ परियोजना अनुदान तथा रू. 561.25 करोड़ अन्य पिछड़ी जातियों के आरक्षण हेतु शामिल हैं।

- नवीन पहल के अंतर्गत तीन दषकों के अंतराल पर ''पर्यावरण एवं सतत् विकास संस्थान'' के रूप में चौथा संस्थान स्थापित किया जाएगा।

- एकमुष्त अनुदान के रूप में राजीव गांधी दक्षिणी परिसर को 11वीं पंचवर्षीय योजना के तहत विष्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा रू. 27 करोड़ का विषिष्ट अनुदान प्रदान किया गया है।

- भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार ने शोध पत्रिकाओं में प्रकाषित लेखों, राष्ट्रीय विज्ञान एकेडमी की फेलोषिप, शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार तथा यहां से उत्तीर्ण छात्रों की गुणवत्ता के आधार पर विष्वविद्यालयों के वरीयता क्रम में काषी हिन्दू विष्वविद्यालय को पहला स्थान दिया है।

- राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एन0ए0ए0सी0) द्वारा काषी हिन्दू विष्वविद्यालय को 'ए' श्रेणी प्रदान की गई है।

- काषी हिन्दू विष्वविद्यालय स्थित संस्थानों एवं संकायों के राष्ट्रीय वरीयता क्रम में भी उन्नयन हुआ है। विधि संकाय को 2007 में 14वें से 2008 में 10वां स्थान, प्रौद्योगिकी संस्थान को 2007 में 15वें से 2008 में 9वां स्थान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान को 15वां स्थान दिया गया है (इंडिया टुडे 4 जून 2007 तथा 4 जून 2008)

- आउटलुक पत्रिका ने प्रौद्योगिकी संस्थान को देष के 50 सरकारी अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के सर्वेक्षण में 2007 में 7वां तथा 2008 में 6वां स्थान दिया है (आउटलुक 11 जून 2007 तथा 13 जून 2008)।

- उत्तर प्रदेष के चार केन्द्रीय विष्वविद्यालयों में काषी हिन्दू विष्वविद्यालय को सबसे ऊंचा स्थान दिया गया है। (आउटलुक 25 जून 2007)

- नेषनल इंस्टीट्यूट आफ साइंस, टेक्नालाजी एण्ड डेवलपमेंट स्टडीज, नई दिल्ली ने पिछले 10 वर्षों में सर्वोच्च प्रकाषन संख्या वाले 35 विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थानों के सर्वेक्षण में काषी हिन्दू विष्वविद्यालय को 6वें स्थान पर रखा है। इस अध्ययन के आधार पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली की विज्ञान तथा अभियांत्रिकी अनुसंधान परिषद ने 14 विष्वविद्यालयों को अनुदान देने हेतु पहचान की है जिनमें काषी हिन्दू विष्वविद्यालय भी शामिल है। इन विष्वविद्यालयों को तीन वर्षों तक प्रतिवर्ष 2 से 10 करोड़ रूपए दिये जायेंगे।

- अध्यापकों की गुणवत्ता, उद्योगों से संवाद, आधारभूत संरचना तथा पदस्थापन के आधार पर स्कूल आफ बायोटेक्नोलॉजी, काषी हिन्दू विष्वविद्यालय को 9वां स्थान दिया गया है। (बायों स्पेक्ट्रम 2008 वाल. 6 सं 1)

- काषी हिन्दू विष्वविद्यालय के प्रतिरक्षा तथा जीव विज्ञान को तीसरा स्थान, कृषि तथा जीव विज्ञान को 7वां स्थान, जैव रसायन विज्ञान आनुवंषिकी एवं आण्विक जैविकी को 8वां स्थान, फार्मोकोलाजी में आविष विज्ञान तथा फार्मास्यूटिक्स को 9वां स्थान, अभियांत्रिकी, भू विज्ञान तथा औषधि को 10वां स्थान दिया गया है। जबकि आईआईएस बैंगलोर को प्रथम स्थान, आईआईटी कानपुर को 9वां स्थान तथा टाटा इन्स्टीट्यूट आफ फन्डामेन्टल रिसर्च (टी0आइ0एफ0आर0) मुंबई को 11वां स्थान दिया गया है। (स्त्रोतः स्कोपस इंटरनेषनल डाटाबेस 1996–2006 के प्रकाषनों में दिए अंषदान के स्टेटस आफ इंडिया इन साइंस एण्ड टेक्नालाजी के अनुसार)

- पिछले वर्ष नियमित प्रोन्नतियों के अतिरिक्त 297 नियुक्तियां की गई (षिक्षक एवं षिक्षणेतर)।

- अधोलिखित सारणी के तदर्थ परियोजनाओं में रिकार्ड वित्तीय संसाधन प्राप्त किया गयाः

ifj;kstuk	2005-06	2006-07	2008-tuojh 16, 2009
अनुमोदित परियोजनाओं की संख्या	134	298	416
अनुमोदित राषि	26ण्47 करोड़	46ण्1 करोड़	81ण्6 करोड़

स्पष्ट रूप से शोध परियोजनाओं के माध्यम से विष्वविद्यालय को 2007 के 46.1 करोड़ की तुलना में 2008 में लगभग दुगनी राषि 81.6 करोड़ का आवंटन हुआ।

- काषी हिन्दू विष्वविद्यालय की विकासषील गतिविधियों को दृष्टिगत रखते हुए विष्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 10वीं पंचवर्षीय योजना में आवंटित 32 करोड़ रूपयों की तुलना में 11 वीं पंचवर्षीय योजना में करीब दस गुना राषि, रूपए 283.76 करोड़ आवंटित किया है। इसके अतिरिक्त अन्य पिछड़ी जातियों के आरक्षण के क्रियान्वयन हेतु 561.25 करोड़ रूपए का प्रावधान भी किया गया है।

- काषी हिन्दू विष्वविद्यालय को 2008–09 में दो पेटेन्ट (जैविक नाषीजीवनाषक, (बायोलाजिकल पेस्टीसाइड), ऋणात्मक ताप विस्तारी पदार्थ) प्राप्त हुये एवं 3 पेटेन्ट विचाराधीन हैं।

¼[k½ 11oh iapo"khZ; ;kstuk d vUrxZr dk'kh fgUnw fo'ofo|ky; dh ikFkfedrk,¼

- आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ तथा अत्याधुनिक बनाना।
- प्रतिभाषाली अध्यापकों को आकर्षित करने तथा उन्हें अपने यहाँ रोके रखने के लिए नयी युक्तियां/योजनाएं।
- प्रषासनिक सुधार (विकेन्द्रीकरण, स्वायत्ता तथा ई–षासन)।
- शैक्षणिक सुधार, अन्तर संकाय क्रेडिट स्थानान्तरण, नवीन पाठ्यक्रम, परीक्षाओं तथा प्रवेष में सूचना प्रौद्योगिकी आधारित पद्धति का उपयोग।
- अनुसंधान प्राथमिकताओं का निर्धारण (अन्तर–संस्थान/संकाय/विष्वविद्यालय स्तर पर प्रायोजित बहुविषयी प्रमुख परियोजनाएं)।
- राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा का विकास।

- संस्थानों के अन्तर्गत चिकित्सा विज्ञान संस्थान को सर्वाधिक रू. 22.82 करोड़, प्रौद्योगिकी संस्थान को रू. 14.41 करोड़ एवं कृषि विज्ञान संस्थान को रू. 4.35 करोड़ आवंटित किया गया है।
- संकायों में विज्ञान संकाय को सर्वाधिक (रू. 10.21 करोड़) अनुदान आवंटित किया गया है।
- विष्वविद्यालय अनुदान आयोग की सहायता राषि में विज्ञान तथा तकनीकी (आई0एम0एस0, आई0टी0, कृषि विज्ञान संस्थान, विज्ञान संकाय) को अधिक वरीयता दी गयी।
- संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान को प्रथम बार उल्लेखनीय अनुदान (रू.1.70 करोड़) मिला।
- कृषि विज्ञान संस्थान, सर सुन्दरलाल चिकित्सालय तथा महिला महाविद्यालय को प्रथम बार यू0जी0सी0 से अनुदान प्राप्त हुआ है।
- विलयित योजनाओं में बी0एच0यू0 को सर्वाधिक आवंटन (रू. 6.77 करोड़) तथा एम0फिल0 एवं पी0एचडी0 के लिए फेलोषिप हेतु अनुदान (रू. 45 करोड़) मिला है।
- विष्वविद्यालय अनुदान आयोग ने यात्रा भत्तों, गोष्ठी, प्रषिक्षण, प्रकाषन तथा विजिटिंग प्रोफेसर तथा फेलो, आदि मदों में निरीक्षण समिति द्वारा अनुमोदित धनराषि से दुगनी राषि आवंटित की है।
- खेल कूद, ढांचागत संरचना, उपकरणों तथा अनुरक्षण सुविधाओं, महिला छात्रावास, महिलाओं हेतु आधारभूत सुविधाएं, षिक्षक कुषलता सुधार कार्यक्रम, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ी जातियों हेतु कोचिंग, विष्वविद्यालय में जीविका परामर्ष प्रकोष्ठ तथा आन्तरिक गुणवत्ता आष्वासन प्रकोष्ठ (इंटर्नल क्वालिटी एष्योरेन्स सेल) आदि के लिये विष्वविद्यालय को सर्वाधिक अनुदान आवंटित किया गया है।
- एक नवीन पहल के रूप में 'पर्यावरण एवं सतत् विकास संस्थान' हेतु रू. 7.50 करोड़ का विषिष्ट अनुदान आवंटित किया गया है।
- राजीव गांधी दक्षिणी परिसर के विकास हेतु उल्लेखनीय एक मुष्त रू. 27.09 करोड़ आवंटित किया गया है।

¼x½ dk'kh fgUnw fo'ofo|ky; }kjk vU; fiNMh tkfr;ks ds fy;s vkj{k.k ,oa blds fØ;kUo;u dh ;kstuk

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देषों के अनुरूप अन्य पिछड़ी जातियों के लिए निर्धारित आरक्षण को लागू करने का निर्णय लिया गया है। इसमें विद्यार्थियों तथा अध्यापकों के लिए योजनाबद्ध तथा चरणबद्ध तरीके से अतिरिक्त सुविधाओं की व्यवस्था करनी होगी।

vkj{k.k ds fdz;kUo;u ds i{;kl

- प्रवेष के लिए आधार वर्ष 2006–07 को माना गया है। आरक्षण की सुविधा केवल नियमित स्नातक, स्नातकोत्तर तथा पी0एचडी0 कार्यक्रमों में है। लेकिन विषिष्ट पाठ्यक्रमों, आदि में आरक्षण की सुविधा नहीं है।
- अन्य पिछड़ी जातियों के आरक्षण के अन्तर्गत सृजित षिक्षक तथा षिक्षणेतर पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया प्रारम्भ की जा चुकी है।
- विष्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अन्य पिछड़ी जातियों के प्रवेष में आरक्षण के लिए रू. 561.25 करोड़ आवंटित किया है।

¼?k½ 2008&2009 esa dqN uohu igy rFkk fodkl ls lEcfU/kr fcUnq

- 'पर्यावरण एवं सतत् विकास संस्थान' की स्थापना।
- राजीव गांधी दक्षिणी परिसर के विकास के लिए नए प्रयास।
- संस्थानों एवं संकायों को अधिक प्रभावषाली, स्वायत्त एवं शैक्षिक रूप से जीवंत बनाने के लिये उनका पुनर्गठन करना है।
- ट्रामा सेन्टर– रू0 120 करोड़, सर सुन्दरलाल चिकित्सालय, आई0एम0एस0, बी0एच0यू0।
- खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र में परास्नातक एवं शोध कार्यक्रम प्रारंभ करने का प्रयास– रू0 8.0 करोड़ डी0बी0टी0 द्वारा।
- ग्रामीण प्रौद्योगिकी कार्य समूह केन्द्र की स्थापना – भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार द्वारा।
- प्रौद्योगिकी संस्थान में टेक्नो–बिजनेस इन्क्यूबेटर केन्द्र हेतु अनुदान – रू. 9.0 करोड़ डी0एस0टी0 द्वारा।
- डी0एस0टी0 सेन्टर फार इन्टरडिसिप्लनरी मैथेमैटिकल साइंसेज हेतु अनुदान– रू. 6.25 करोड़।
- सेन्टर फार जेनिटिक डिसआर्डर (अनुवंषिक विकास केन्द्र) हेतु अनुदान– रू. 4.43 करोड डी0बी0टी0 द्वारा।
- भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा हथकरघा तथा हस्तषिल्प डिजाइन योजना का उच्चीकरण हेतु अनुदान – रू. 36 लाख।
- एस0ए0पी0 के अन्तर्गत सभी 14 विभागों/स्कूलों के ढांचागत सुधार हेतु प्रत्येक को रू0 20 लाख का विषेष अनुदान।
- कृषि षिक्षा के विकास तथा संवर्धन हेतु आई0सी0ए0आर0 द्वारा अनुदान – रू. 80 लाख।
- कृषि विज्ञान संस्थान में बायोकन्ट्रोल, टिष्यू कल्चर, मत्स्य प्रयोगषाला की स्थापना के लिए– रू. 20 लाख।
- आई0यू0ए0सी0, नई दिल्ली तथा बी0एच0यू0 के बीच समझौता ज्ञापन एवं अनुदान– रू. 5.0 लाख आई0यू0ए0सी0 द्वारा।
- स्कूल आफ मैटीरियल साइंस एण्ड टेक्नोलाजी को एफ0आई0एस0टी0 कार्यक्रम के तहत अनुदान (प्रथम किष्त) – रू. 2.7 करोड़ डी0एस0टी0 द्वारा।

- आयुर्वेद संकाय के विकास हेतु आयुष ;।लैम्ंद्धए स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अनुदान – रू. 2.24 करोड़ ।
- भौतिकी विभाग को अनुदान – रू. 1.0 करोड़ यू0जी0सी0 द्वारा।
- सर सुन्दरलाल चिकित्सालय में आयुर्वेद संकाय में क्षारसूत्र राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र हेतु अनुदान – रू. 7.0 करोड़ स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा।
- एकीकृत एम0एस0सी0 / एमटेक तथा पी0एच0डी0 कार्यक्रम को प्रारंभ करने तथा अनुसंधान क्षमता में वृद्धि हेतु खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र की स्थापना के लिये अनुदान – रू. 8.00 करोड़ डी0बी0टी0 द्वारा।
- कृषि विज्ञान संस्थान के बीज संबंधी ढांचागत संरचना एवं सुविधाओं को सुदृढ़ करने तथा निर्माण करने के लिए सहायता – रू. 2.84 करोड़ आई0सी0ए0आर0 द्वारा।
- बी0एच0यू0 में अंतरिक्ष विज्ञान गतिविधियों को सुदृढ़ करने हेतु अनुदान– रू. 1.36 करोड़ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अंतरिक्ष विभाग द्वारा।
- ग्रामीण ज्ञान केन्द्रों को आई0सी0टी0 अवसर उपलब्ध कराने के लिए अनुदान – रू. 1.0 करोड़ सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा।
- ज्ञानवाणी तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विष्वविद्यालय केन्द्र के उन्नयन हेतु अनुदान ।
- योग तथा ध्यान हेतु आयुर्वेद का उच्चानुषीलन केन्द्र– रू. 2.24 करोड़ उत्तर प्रदेष शासन द्वारा।
- सी0डी0 पदार्थ हेतु मोजर बेयर तथा डी0आई0टी0 परियोजना हेतु अनुदान–रू. 2.0 करोड़ ।
- प्रो. सी0एन0आर0 राव एजुकेषन फ्रीडम अवार्ड फार एक्सेलेन्स इन सांइस रिसर्च की स्थापना बी0एच0यू0 के पूर्व छात्र प्रो. सी एन आर राव द्वारा अनुदान।
- महिला महाविद्यालय के विज्ञान प्रखण्ड में सावित्री देवी विज्ञान भवन हेतु पूर्व छात्रा तथा इस्पात उद्यमी श्री एल0एन0 मित्तल की पत्नी श्रीमती उषा मित्तल द्वारा अनुदान।
- 33 केवी के पावर स्टेषन तथा 11.0 केवी के उपकेन्द्रों की स्थापना।
- ''कावेरी'' तथा ''गोमती'' नाम के महिला छात्रावासों का निर्माण।
- प्रौद्योगिकी संस्थान में पूर्व छात्र अतिथिगृह की दूसरी मंजिल का निर्माण ।
- संस्थानों / संकायों तथा छात्रावासों में इन्टरनेट सुविधा।
- अध्यापकों के कार्यालयों में कम्प्यूटर, इन्टरनेट तथा दूरभाष की सुविधा।
- वाणिज्य संकाय में द्वितीय तल का निर्माण।
- सर सुन्दरलाल चिकित्सालय के नर्सिंग छात्रावास में द्वितीय तल का निर्माण।
- आण्विक एवं मानव अनुवंषिकी विभाग के भवन का विस्तार।
- माननीय कुलपति महोदय ने विष्वविद्यालय परिसर को और अधिक पर्यावरणीय एवं अनुकूल बनाने के लिए एक नई शुरूआत की है।
    - इसके लिए 'पर्यावरण एवं सतत् विकास संस्थान' की स्थापना निर्धारित की जा चुकी है।
    - परिसर के लिए नया वार्षिक पर्यावरण कैलेण्डर बनाया गया है।
    - काषी हिन्दू विष्वविद्यालय के अन्तर्गत गंगा एक्षन प्लान के विकास एवं उसकी अनुसंधानात्मक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा।
    - बीएचयू के सभी नए भवनों से वर्षा जल संचित करने के उपाय किये जायेंगे।
    - राजीव गांधी दक्षिणी परिसर के चारों दिषाओं में 100 एकड़ का सघन वन विकसित किया जाएगा।
- शांति, षिक्षण तथा नैतिकता के क्षेत्र में नई शुरूआत।
    - बी0एच0यू0 शांति, मानव मूल्यों तथा नैतिकता की उत्कृष्टता हेतु गुणवत्तायुक्त षिक्षा प्रदान करने में पथ प्रदर्षक बनेगा जो पंडित मदन मोहन मालवीय, गौतम बुद्ध, महात्मा गांधी जैसी विभूतियों को सच्ची श्रद्धांजली होगी।

- oषिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए ज्ञान, विज्ञान तथा योग के अवधारणा के महत्व को ज्यादा प्राथमिकता दी जाएगी।
- oषिक्षा की गुणवत्ता में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए इसमें मानवीय मूल्य तथा नैतिकता नियमावली को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा।
- o अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए शांति षिक्षा के लिए अन्तर्राष्ट्रीय यूनेस्को पीठ स्थापित की जाएगी।
- o ''अन्तर्द्वन्द्व एवं शांति प्रबन्धन'' तथा ''उच्च वैज्ञानिक नैतिकता'' के पाठ्क्रम प्रत्येक विभाग/संकाय में प्रारम्भ करने के प्रयास किये जायेंगे।
- o ''शांति एवं विकास'' पर परास्नातक पाठ्यक्रम प्रस्तावित हैं। इस संदर्भ में संयुक्त राष्ट्रसंघ शांति विष्वविद्यालय, कोस्टारिका के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया है।

- सर सुंदर लाल अस्पताल जो पूर्वी उत्तर प्रदेष एवं पष्चिमी बिहार के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करता है, प्राथमिकता में है।
  - oसुपर स्पेषियलटी चिकित्सालय/ट्रामा सेन्टर हेतु प्रयास किये गये हैं।
  - oचिकित्सालय की कार्यप्रणाली को पारदर्षी बनाने का प्रयास करना है, जो मरीजों के लिए अधिक सुविधायुक्त हो सके। इस दृष्टिकोण से एक ''आपत्ति निस्तारण प्रकोष्ठ'' का गठन किया गया है जिससे मरीजों तथा उनके परिजनों की उचित आपत्तियों के समाधान में सहायता मिल सकेगी।
  - oसर सुन्दरलाल चिकित्सालय के सुचारू संचालन हेतु आपदा प्रबन्धन समिति का भी गठन किया गया है।
  - oकम्प्यूटरीकृत चिकित्सालय सूचना प्रणाली को स्थापित करना है।
  - oआपरेषन थियेटर संकुल का पुनरूद्धार किया जाना है।
  - oसघन चिकित्सा केन्द्र का संवर्धन करना है।
  - oमाननीय कुलपति जी के द्वारा जनवरी 2009 में एक आपातकालीन आपरेषन थियेटर का उद्घाटन आपातकालीन रोगियों हेतु किया गया।
  - oसर सुन्दरलाल चिकित्सालय में गुर्दा संबंधित दो अत्याधुनिक संयत्र एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त पूर्णयतः सुसज्जित दो आपरेषन थियेटर स्थापित किये गये।
  - oमनोचिकित्सा विभाग के उन्नयन हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत अनुदान– रू. 2.84 करोड़।
  - oसेन्टर फार एक्सेलेन्स की स्थापना हेतु स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अनुदान – रू0 1.0 करोड़।
- विष्वविद्यालय ने साहित्यिक चोरी को गंभीरता से लिया है एवं इसको दूर करने के लिये विस्तृत दिषा निर्देष तैयार किये हैं।
- विद्यार्थियों के मूल्यांकन में प्रषिक्षकों एवं पाठ्यक्रमों के विभिन्नता के प्रभाव को कम करने के लिये विष्वविद्यालय ने सापेक्षिक मूल्यांकन पद्धति को स्वीकार किया है।
- भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग से प्राप्त वित्तीय सहायता के द्वारा अर्न्तविषयी जीवन विज्ञान स्कूल (इण्टरडिसिप्लीनरी स्कूल आफ लाईफ सांइसेज) की स्थापना की जायेगी। (रू0 20 करोड़ के लगभग)
- परास्नातक स्तर पर विद्यार्थियों को अर्न्तविभागीय पाठ्यक्रमों के चयन की सुविधा के लिये विज्ञान संकाय द्वारा उप–वैकल्पिक विषय (माइनर इलेक्टिव्स) पद्धति को प्रारम्भ किया गया है।
- सभी विज्ञान स्नातक विद्यार्थियों को अपनी वैज्ञानिक समझ को विस्तृत करने हेतु अपने तीन मुख्य विषयों के अतिरिक्त गणित, सांख्यिकी, भौतिकी, भू–विज्ञान, जीव विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान जैसे विषयों की पर्याप्त जानकारी प्रदान की जाती है।
- काषी हिन्दू विष्वविद्यालय के पूर्व छात्र बहुत महत्वपूर्ण है इनसे नियमित सम्बन्ध बनाए रखने से विष्वविद्यालय लाभान्वित होगा।
- स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी, ग्रामीण विकास तथा स्वरोगार के क्षेत्र में प्रसार सेवाओं की योजनाएं काषी हिन्दू विष्वविद्यालय मुख्य परिसर एवं राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में स्थापित की गईं हैं। एषिया

मीडिया लैब द्वारा 'ग्रामीण ज्ञान केन्द्र', विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग के 'टेक्नो–इन्टरप्रेन्योरियल प्रोमोषन प्रोग्राम, टिफैक द्वारा, टेक्नोलाजी बिजनेस इन्क्यूबेटर, आईसीएआर द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र तथा रूटैग का केन्द्र ऐसा मंच प्रदान कर रहा है जो समाज को लाभान्वित करने के लिए ज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के प्रसार में सहायक सिद्ध होगा।

- छात्र परिषद का गठन देष के विष्वविद्यालयों के बीच एक अनूठा उदाहरण है। इससे छात्र विष्वविद्यालय स्तर पर लिए जा रहे नीतिगत फैसलों में शामिल हो सकेंगे।
- कुलपति जी ने अनुसंधान में उत्कृष्टता लाने के उद्देष्य से एक कार्य बल (टास्क फोर्स) का गठन किया है। यह कार्य बल अनुसंधान के क्रिया कलापों को सुदृढ़ करने के साथ 3 से 5 अनुसंधान क्षेत्रों की पहचान करेगा जिसमें विष्वविद्यालय वैष्विक स्तर को प्राप्त करने में सक्षम हो। इसके साथ ही कार्यबल पर्यावरण तथा अनुसंधान के प्राथमिक क्षेत्रों की उन्नति के लिए आवष्यक उपाय सुझाएगा।
- कुलपति जी ने आंतरिक गुणवत्ता आष्वासन प्रकोष्ठ (आई0क्यू0ए0सी0) का गठन किया है। यह प्रकोष्ठ शैक्षिक तथा अनुसंधान कार्यक्रमों की गुणवत्ता तथा प्रासंगिकता में सुधार हेतु प्रयास करेगा।

¼3½ jktho xka/kh nf{k.kh ifjlj cjdNk e: uohu igy rFkk fodklkRed fcUn|

राजीव गांधी दक्षिणी परिसर को युवाओं तथा महिलाओं, विषेष रूप से स्थानीय जन–जातियों तथा समाज के पिछड़े तबकों के लिए षिक्षण, प्रषिक्षण तथा उद्यमषीलता के विकास के एक क्षमतावान केन्द्र के रूप में देखा जा रहा है। परिसर का औपचारिक उद्घाटन माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री अर्जुन सिंह द्वारा 19 अगस्त, 2006 को किया गया।

vk/kkjHkr l|jpuk,

- 11वीं पंचवर्षीय योजना में राजीव गांधी दक्षिणी परिसर को रू. 27 करोड़ का अनुदान दिया गया है।
- आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने रू. 16 करोड़ का अनुदान दिया है।
- मानव संसाधन विकास मंत्रालय के समक्ष परिसर के विकास हेतु 100 करोड़ रूपए का प्रस्ताव विचाराधीन है।
- बरकछा परिसर हेतु अच्छे पेयजल की व्यवस्था 4 कि0 मी0 दूर बरकछा गांव से बूस्टर पंप, ऊंची टंकियों तथा पाइपों के द्वारा की गई है।
- जलस्त्रोत की सुविधा वृद्धि हेतु चौड़े मुंह वाले दों कुएं खोदे गए हैं।
- बरकछा लघु सिंचाई स्त्रोत के रूप में दो मध्यम तथा चार लघु आकार के जल संचय ताल बनाए गए हैं।
- स्व–स्थान मृदा आर्द्रता संरक्षण तथा अपवाह प्रबन्धन तकनीक को शष्य भूमि पर लगाया जा रहा है।
- निर्बाध विद्युत् आपूर्ति के लिए भारतीय राष्ट्रीय पावर ग्रिड कारपोरेषन के द्वारा व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त आवष्यकतानुसार उपयोग हेतु दो जेनरेटर (63 केवी तथा 25 केवी) भी उपलब्ध हैं।
- अतिथि गृहों, वैज्ञानिक छात्रावास, वैज्ञानिक आवास, केवीके तथा फार्म पर्यवेक्षक के गृहों का पुर्नउद्धार कार्य पूरा हो चुका है। पादप ऊतक संवर्धन तथा मृदा परीक्षण प्रयोगषाला तथा सुरक्षा खण्ड का निर्माण पूरा हो चुका है। दो पुरूष छात्रावास (100 कमरे वाले), केन्द्रीय ग्रन्थालय, किसान छात्रावास, केन्टीन तथा स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। सी0पी0डब्लू0डी0 द्वारा प्रषासनिक खण्ड, वाचन कक्ष संकुल तथा अध्यापक आवासों के निर्माण कराया जा रहा है।
- बीज प्रसंस्करण संयत्र द्वारा फसलों के उन्नत किस्मों के बीजों को प्रसंस्करण द्वारा तैयार किया जा रहा है।

- जल्द ही भारत पेट्रोलियम कम्पनी द्वारा राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में पेट्रोल पम्प स्थापित किया जाएगा।
- राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में इन्टरनेट सुविधा प्रदान कर दी गई है।

f'k{kk ,oa vuqla/kku

- वर्तमान समय में परिसर में 18 पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं जिनमें एम0बी0ए0 (एग्रीबिजनेस), बी0फार्म0 (आयुर्वेद), बी0एड0, बी0पी0एड0, डिप्लोमा इन आफिस मैनेजमेंन्ट एण्ड बिजनेस कम्यूनिकेषन, टूरिज्म मैनेजमेन्ट, एम0सी0ए0, एम0एस0सी0 (टेक) इन इनवायरनमेन्ट साइंस एण्ड टेक्नालाजी, बी0काम0, पी0जी0 डिप्लोमा इन इन्ष्योरेन्स एण्ड रिस्क मैनेजमेण्ट, नेचुरोपैथी एण्ड योगा थिरेपी तथा हास्पिटल मैनेजमेण्ट तथा एम0एस0सी0 (बायोटेक्नालाजी) शामिल हैं।
- परिसर में पांच करोड़ रूपए की तदर्थ परियोजनाएं चलाई जा रही हैं।
- छात्रों की संख्या निरंतर बढ़ रही है जो 2006–07 के 167 की तुलना में वर्तमान 2008–09 के सत्र में 1000 हो चुकी है।
- 300 हेक्टेयर भूमि पर जेट्रोफा पौध रोपड़ हेतु विषिष्ट नर्सरी बनाई गई है।
- बायोडीजल के उत्पादन हेतु प्रदर्षन इकाई मेसर्स नम्रता एग्रोटेक लिमिटेड, मिर्जापुर लगाने वाली है।
- ग्रामीण व्यवसाय हेतु अपेक्षित व्यवसायिक प्रषिक्षण दिया जाता है। इसमें खेतों पर ही सत्यापन परीक्षण, आमुख प्रदर्षन, किसान रैली, गोष्ठी, विचार गोष्ठी तथा तकनीक स्थानान्तरण आदि परिसर स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र के द्वारा संचालित की जाती है।

vfrfjDr vk/kkjHkwr lajpukvksa rFkk f'k{k.k gsrq izLrko

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय के समक्ष कृषि बायोटेक्नोलाजी संस्थान की स्थापना हेतु रू. 125.82 करोड़ का प्रस्ताव भेजा गया है। इस प्रस्ताव पर भारत सरकार द्वारा सक्रिय विचार किया जा रहा है। यह संस्थान सामान्य जैवप्रौद्यागिकी, पादप जैवप्रौद्यागिकी, खाद्य जैवप्रौद्योगिकी, पषु जैवप्रौद्यागिकी तथा बायो–इन्फार्मेटिक्स विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाएगा तथा उपरोक्त विषयों में अपने संस्थागत तथा जुड़े हुए अध्यापकों की सहायता से अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देगा।
- ग्रामीण विकास मंत्रालय के समक्ष 65 करोड़ रूपए की सहायता से ग्रामीण विकास संस्थान के स्थापना का प्रस्ताव विचाराधीन है।
- जगजीवन राम ग्रामीण एवं जनजाति विकास केन्द्र की स्थापना के लिए 15 करोड़ रूपए का प्रस्ताव भारत सरकार के ग्रामीण तथा जनजाति कल्याण मंत्रालय के समक्ष प्रेषित किया गया है।
- जलापूर्ति के लिए खजुरी बंध तथा गंगा से जल संभरण हेतु 9.0 करोड़ रूपए का आवंटन किया गया है।
- गंगा नदी से लिफ्ट कैनाल द्वारा जल को बरकछा परिसर में लाने का प्रस्ताव दिया गया है।

p;jeu